

डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 16, अधिनियम 15-16

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने निर्देश में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 16, अधिनियम अध्याय 15 और 16 है।

आपने देखा होगा कि कुछ घंटे पहले मैं इतना उत्तेजित हो गया था कि मेरे सारे बाल झड़ गये थे।

नहीं, असल में मैंने बाल कटवाए थे। लेकिन मैंने आपसे वादा किया था कि मैं प्रेरितों के काम अध्याय 15 के अंतिम पैराग्राफ पर जाऊंगा और मैंने इसके लिए आपकी भूख बढ़ा दी। और मुझे खुशी है कि आपकी भूख बढ़ गई है क्योंकि आपको बस थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि कुछ पृष्ठभूमि है जो मैं आपको जेरूसलम डिक्री और जेरूसलम काउंसिल के बारे में बताना चाहता हूं।

यह एक बहस है जो अक्सर आयोजित की जाती है और मेरी पिछली चर्चा इस बहस के निष्कर्ष को पूर्व निर्धारित कर रही थी। लेकिन बहस यह है कि क्या जेरूसलम काउंसिल ऑफ एक्ट्स 15 गलातियों के अध्याय 2 के समान है या कुछ लोग सोचते हैं कि यह गलातियों के अध्याय 1 के समान है। यहां कुछ अलग-अलग विचार दिए गए हैं। गलातियों 2, 1 से 10 तक, यह अधिनियम 15 होने के बजाय, यह तब है जब पॉल और बरनबास अधिनियम 11:30 और 12:25 में संग्रह को एंटीओक से यरूशलेम ले गए। यह विलियम रैमसे के पास है और आज भी कई इंजील विद्वानों और कुछ अन्य विद्वानों के पास है।

गलातियंस अध्याय 2, श्लोक 1 से 10, अधिनियम 15 के समान होने के कारण, जेबी लाइटफुट द्वारा आयोजित किया गया था, जो 19वीं सदी के इंजील विद्वान थे, और आज कई विद्वानों द्वारा, जिनमें मैं भी शामिल हूं, कई इंजील विद्वान, हालांकि शायद नहीं कई दूसरे दृष्टिकोण के समान, और कई अन्य विद्वान भी। शायद अधिकांश विद्वान, लेकिन कुछ बहस है। गलातियों 2, 1 से 10 तक, वे दोनों दो अलग-अलग स्रोतों से अलग-अलग तरीके से बताए गए हैं।

यह मेरा विचार नहीं है। मैं सिर्फ आपको विचार दे रहा हूं। कुछ लोग कहते हैं, ठीक है, हमें अधिनियमों की बिल्कुल भी परवाह नहीं है, और इसलिए गलातियों अध्याय 2 का उनमें से किसी से कोई लेना-देना नहीं है।

और फिर कुछ लोग कहते हैं कि यह अधिनियम 15 और कुछ अतिरिक्त तत्व हैं, शायद अधिनियम 11 या कहीं और से। यहां अधिनियम 11:30 की अकाल यात्रा होने के पक्ष में तर्क दिए गए हैं। मैं आपको वे तर्क देने जा रहा हूं और फिर कारण बताऊंगा कि मैं उनसे सहमत क्यों नहीं हूं। बेशक, आप अपना दृष्टिकोण रखने के लिए स्वतंत्र हैं।

उन्होंने गलातियों में कहा, पॉल ने अकाल का दौरा नहीं छोड़ा होगा। खैर, गैलाटियन्स में इसका उल्लेख करने का कोई कारण नहीं है। आखिरकार, वह प्रेरितों से अपनी स्वतंत्रता पर ज़ोर दे रहा है।

यदि यह कालानुक्रमिक रूप से अधिनियमों के समान ही है, तो वे उस समय छुपे हुए हो सकते हैं। और यदि इसे बड़ों तक पहुंचाया गया, तो इसका उल्लेख करने का कोई कारण नहीं है। ठीक है, वे कहते हैं, ठीक है, डिक्री का उल्लेख क्यों नहीं किया जाता, यदि डिक्री गलातियों के लिखे जाने तक पहले ही हो चुकी थी? खैर, चाहे आप गलातियों के साथ कब भी डेटिंग करें, इसका उल्लेख 1 कुरिन्थियों और रोमियों में भी नहीं है, जो निश्चित रूप से परिषद के आदेश के बाद आता है।

इसके अलावा, अधिनियम डिक्री की सीमा निर्दिष्ट करता है। यह सीरिया और सिलिसिया के लिए है। यह गैलाटिया तक नहीं गया।

जब डिक्री जारी की गई, तब गलाटिया में यह कोई मुद्दा नहीं था। आप जेरूसलम से जितना आगे जाएंगे, केंद्रीकृत प्राधिकरण की अपील के बजाय पहले सिद्धांतों की अपील उतनी ही अधिक मूल्यवान होगी। ठीक है, कुछ लोग कहते हैं कि यदि आप इसे अकाल यात्रा से नहीं, बल्कि अधिनियम 15 से पहचानें तो बहुत सारी विसंगतियाँ हैं।

खैर, यह और भी बुरा है। यदि आप इसकी पहचान अकाल यात्रा से करते हैं तो आपके पास अधिक विसंगतियाँ हैं। एक्ट्स में अकाल यात्रा के बारे में टिप्पणियाँ इतनी संक्षिप्त हैं कि आप केवल मौन रहकर ही तुलना कर सकते हैं।

अकाल यात्रा और गलातियों 2 के बीच कुछ भी समान नहीं है, सिवाय इसके कि बरनबास और शाऊल दोनों मौजूद हैं, जो अधिनियम 15 में भी सच है। इसके अलावा, गलातियों 2 में वे उन्हें अकाल यात्रा के दौरान गरीबों को याद करने के लिए क्यों कहेंगे, जबकि वास्तव में यही है वे जो कर रहे थे, क्या गरीबों को याद कर रहे थे? फिर भी गलातियों 2.10 कहता है कि उन्हें यह याद रखने के लिए कहा गया था। खैर, कुछ लोगों ने तर्क दिया है, और मुझे लगता है कि यह एक उचित तर्क है, और मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि यह स्थिति उचित स्थिति नहीं है।

वास्तव में, संभवतः मेरे अधिकांश मित्र इसे धारण करते हैं। लेकिन वैसे भी, गलातियों 2:2 में रहस्योद्घाटन, उन्होंने इसे प्रेरितों के काम 11:28-30 में भविष्यवाणी के साथ पहचाना है। लेकिन यदि आप गलातियों के संदर्भ में देखें, तो गलातियों 1.12-16 में रहस्योद्घाटन या प्रकटीकरण का वाक्यांश मसीह के साथ पॉल की अपनी मुठभेड़ को संदर्भित करता है। और इसलिए जब वह गलातियों 2:2 में एक रहस्योद्घाटन के कारण ऊपर जाने की बात कर रहा है, तो वह संभवतः उस सुसमाचार के बारे में बात कर रहा है जो उस पर प्रकट हुआ था जिसका वह गलातियों 2:1-10 में बचाव कर रहा है। अकाल यात्रा से पहचाने जाने वाले गलातियों 2.0 के लिए एक और तर्क यह दिया गया है कि यह गलातियों की पहले की तारीख की अनुमति देता है।

खैर, समस्या यह है कि ऐसा लगता है कि यह रोमन के रूप में पॉल के जीवन की अवधि से है, हालांकि रोमन से कुछ हद तक पहले, प्रथम और द्वितीय थिस्सलुनीकियों के समान अवधि नहीं। इसलिए, यदि आप इसे तिथि के आधार पर करने का प्रयास कर रहे हैं, तो वास्तव में दूसरे तरीके से बहस करना आसान हो सकता है। अधिनियम 15 में, संघर्ष सीरिया के अन्ताकिया तक पहुँच गया था।

यह अभी तक गैलाटिया तक नहीं पहुंचा था। और इसीलिए यह आदेश केवल सीरिया और किलिकिया को संबोधित है, गलातिया को नहीं। छठा तर्क, वे कहते हैं, ठीक है, शायद अधिनियम 15, जो खतना इत्यादि के बारे में बात करता है, एक पुराने विषय पर फिर से विचार करता है जिसे अकाल यात्रा के दौरान उठाया गया था।

तर्क में, आपके पास ओखम का रेजर नामक कुछ है, जहां सबसे सरल समाधान सबसे अच्छा होता है। सबसे सरल समाधान यह है कि गलातियों 2 और अधिनियम 15, जो एक ही विषय को संबोधित करते हैं, एक ही यात्रा हैं, कहने के बजाय, ठीक है, शायद यह विषय पहले अकाल यात्रा में उठाया गया था जहां इसका उल्लेख नहीं किया गया है, और इसीलिए इसका बाद में उल्लेख किया गया है। यहां उन तर्कों के अलावा कुछ तर्क दिए गए हैं जो मैं अकाल यात्रा के दृष्टिकोण के विरुद्ध दे रहा हूँ।

यहां कुछ तर्क दिए गए हैं कि यह अधिनियम 15 का प्रतिनिधित्व क्यों करता है। अधिनियम 15 में जेरूसलम परिषद गलातियों 2:1 से 10 के समान है। सबसे पहले, टाइटस का उल्लेख गलातियों 2:1 से 3 में किया गया है। पॉल ने उसका उल्लेख उसी रूप में किया है जैसा उसे ज्ञात है गलातियों।

संभवतः टाइटस गलाटियन था। यदि नहीं, तो संभवतः वह पॉल के साथ वहां की यात्रा पर था, लेकिन संभवतः वह गलाटियन था। अधिनियम 11 और 12 पॉल की मिशनरी यात्राओं से पहले हुए थे।

इसलिए, यदि टाइटस गलाटियन होता तो अकाल की यात्रा उसके धर्म परिवर्तन से पहले होती। अधिनियम 13 और 14 वह पहला था, जिसे अक्सर मिशनरी यात्रा कहा जाता है। इसलिए टाइटस शायद अभी तक परिवर्तित नहीं हुआ था जब अकाल का दौरा हुआ था, लेकिन वह निश्चित रूप से बाद में परिवर्तित हो गया था, आप जानते हैं, जब तक आप गलातियों 13 और 14 में मंत्रालय से गुजरते हैं, वह निश्चित रूप से अधिनियम 15 द्वारा परिवर्तित हो गया था।

इसके अलावा, अधिनियम 15 और गलातियों 2 के बीच कई समानताएँ हैं। दोनों परिषदों का मूल उद्देश्य एक ही है। दोनों का मूल परिणाम एक ही है। पॉल के मिशन को दोनों में मान्यता प्राप्त है।

दोनों नेता इस बात पर सहमत हैं कि अन्यजातियों का खतना करने की आवश्यकता नहीं है। पीटर शामिल था और जेम्स शामिल था। और जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, निश्चित रूप से, पॉल और बरनबास उसी तरह शामिल थे जैसे वे अकाल की यात्रा में थे।

माना कि कुछ चूक हैं, लेकिन आप चुपचाप बहस नहीं कर सकते। मेरा मतलब है, ल्यूक उन सभी बातों का उल्लेख करने के लिए बाध्य नहीं है जिनका पॉल ने उल्लेख किया है या इसके विपरीत। ल्यूक पॉल के संग्रह को जानता है।

उन्होंने 24:17 में इसका उल्लेख किया है, लेकिन लगभग पूरी तरह से इसे छोड़ दिया है क्योंकि यह उनके खाते से प्रासंगिक नहीं है क्योंकि यह उनका मुद्दा नहीं है। यह वह बात नहीं है जिस पर वह जोर दे रहा होगा। हम इस बारे में बात कर सकते हैं कि ऐसा क्यों है।

व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि इसने वह सब हासिल नहीं किया जो पॉल उम्मीद कर रहा था कि यह हासिल कर सकता है, अर्थात् यहूदी और गैर-यहूदी चर्चों का मेल-मिलाप, या शायद इसलिए कि जब ल्यूक लिख रहा था तब तक यह एक गैर-मुद्दा था। और भी बहुत सी चीज़ें घटित हुईं जो अधिक महत्वपूर्ण थीं। शायद जेरूसलम चर्च उस समय इतना बड़ा मुद्दा नहीं था।

लेकिन वैसे भी, ल्यूक पॉल के संग्रह को जानता है, लेकिन वह इसे लगभग पूरी तरह से छोड़ देता है क्योंकि यह उसकी कहानी के लिए प्रासंगिक नहीं है। अधिनियमों के एक प्रमुख टिप्पणीकार, जोसेफ फिट्ज़मेयर बताते हैं कि कोई भी मतभेद इतना महत्वपूर्ण नहीं है कि दोनों रिपोर्टों के महत्वपूर्ण समझौते को कमजोर कर सके। तो, इससे हमें जेरूसलम काउंसिल के कई साक्ष्य मिलते हैं जो उन लोगों को जवाब देते हैं जो सोचते हैं कि अधिनियम 15 ल्यूक की कल्पना है ताकि ऐसा लगे कि चर्च साथ मिल सकता है।

खैर, वास्तव में, वे गलातियों के अध्याय 2 में एक प्रकार की आम सहमति पर आए थे, भले ही इसे दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में फिर से देखना पड़ा जब पीटर ने गलातियों के 2.11 से 14 में अन्ताकिया का दौरा किया। तो, अब पॉल मिशन क्षेत्र में लौटने के लिए आगे बढ़ रहा है। पॉल और बरनबास मिशन क्षेत्र में लौटते हैं, लेकिन एक साथ नहीं।

भगवान उपयोग करता है, और वैसे, अगर वह सब भ्रमित करने वाला था, तो आपको इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस पाठ्यक्रम की प्रकृति बस यही है कि जो आपको उपयोगी लगे उसे लें और उसका उपयोग करें। लेकिन फिर भी, यह खंड, 15:36 से 41, हमें याद दिलाता है कि भगवान वास्तविक, जिसका अर्थ है पतनशील लोगों का उपयोग करता है।

इस मामले में, यह बरनबास की ताकत थी और पॉल की ताकत संघर्ष में आ गई। उनके दोनों उपहार विवाद में आ गए क्योंकि कभी-कभी हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी सबसे बड़ी कमजोरी होती है अगर हम इसके प्रति सावधान नहीं रहते हैं। इज़राइली साहित्य ने महाकाव्य काल के दौरान भी नायकों की विफलताओं की सूचना दी।

न्यायाधीश उससे भरे हुए हैं। अब तक, यह ग्रीको-रोमन जीवनीकारों के लिए भी मानक था। खैर, इससे पहले भी, ग्रीको-रोमन जीवनीकारों के लिए नायकों की कमजोरियों को स्वीकार करना मानक था।

यूनानी महाकाव्य लंबे समय से ऐसा कर रहा था। अकिलिस और अगामेमोन में यह संघर्ष है। वैसे भी, यह ऐसा कुछ नहीं था जिसे वे आम तौर पर दबा देते थे।

और फिर भी हम बाहर जाने वाली नई पॉल और सिलास टीम पर भगवान का आशीर्वाद देखते हैं, शायद बरनबास और मार्क टीम भी, जब वे साइप्रस गए थे। वे उस स्थान पर दोबारा जाने के लिए वापस गए जहां उनके संबंध थे। पॉल के पास नए क्षेत्रों तक पहुँचने का दृष्टिकोण था।

वह किसी ऐसे व्यक्ति को लेने के लिए तैयार नहीं था जो पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं था, और उसे मार्क पर भरोसा नहीं था। बरनबास मार्क को दूसरा मौका देना चाहता था। मार्क परिपक्व हो गया था, जैसा कि हम आम तौर पर करते हैं।

तो, वे अलग हो गए। और यहां ग्रीक में जिस भाषा का प्रयोग किया गया है, वह काफी गंभीर विभाजन था। इसका मतलब यह नहीं कि वे हमेशा के लिए दुश्मन बन गये।

पॉल के पत्रों में, उन्होंने बाद में बरनबास को अपने साथ काम करने वाले व्यक्ति के रूप में उद्धृत किया। वह उससे शत्रुतापूर्ण नहीं है। लेकिन वे अपने जीवन के इस मोड़ पर एक साथ काम नहीं कर सके।

तो, वे अलग हो गए। और फिर भी परमेश्वर ने उसका उपयोग किया, और परमेश्वर ने पॉल और सीलास की इस नई मंत्रालय टीम को आशीर्वाद दिया। और यह संभावित भी था क्योंकि, शायद बरनबास के विपरीत, जिसका कोई रोमन नाम नहीं है, सिलास भी जाहिर तौर पर एक रोमन नागरिक है।

और यह फिलिप्पी में मदद करने वाला है, जहां पॉल और सीलास 16:37 में रोमन नागरिकों की ओर इशारा कर सकते हैं। लेकिन इसका कोई मतलब यह नहीं है कि विभाजन, जो रणनीतिक कारणों से नियोजित विभाजन नहीं था, यह विभाजन था क्योंकि उनके बीच कुछ प्रमुख मतभेद थे। इसका कोई भी मतलब यह नहीं है कि वह अच्छा था, क्योंकि आप इसकी तुलना पिछले संदर्भ से कर सकते हैं।

मेरा मतलब है, देखें कि भगवान ने परिषद में सर्वसम्मति कैसे बनाई, और फिर देखें कि परिषद के तुरंत बाद वे कैसे विभाजित हो गए। लेकिन प्रेरितों के काम अध्याय 16 में, हम यह पता लगाने जा रहे हैं कि पॉल चाहता है कि कम से कम एक युवा व्यक्ति उसके साथ काम करे। मार्क को नहीं, बल्कि उसके स्थान पर उसे टिमोथी मिलने वाला है।

और टिमोथी उस क्षेत्र से है जहां वह पहले ईसाई धर्म प्रचार कर चुका है। वह संभवतः सिलिसिया के माध्यम से उत्तर की ओर जाता है, हालाँकि किसी कारण से ल्यूक उतना विवरण नहीं देता है। शायद सिलिसिया में चीज़ें उतनी अच्छी नहीं थीं।

लेकिन किसी भी स्थिति में, वह उत्तर की ओर जाता है। जाहिर है, मौसम इतना अच्छा है कि वह वृषभ पर्वतों को पार कर सकता है। सर्दियों में, यह बहुत मुश्किल होगा, लेकिन वहाँ एक दर्रा है, सिलिशियन गेट्स, जहाँ से आप पहाड़ों के माध्यम से जा सकते हैं, खासकर जब सर्दी नहीं थी।

और वह उस क्षेत्र में वापस चला जाता है जहां उसने पहले बरनबास के साथ प्रचार किया था। पॉल अब स्वयं नेतृत्व में हैं। उसके साथ बरनबास नहीं है, और किसी नए क्षेत्र में जाने से पहले उसे अकेले ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है।

इसलिए, वह वापस जाकर उन चर्चों की पुष्टि करना शुरू करता है जो पहले से ही वहां मौजूद हैं, जो कि एक बहुत ही महत्वपूर्ण काम था। और इन स्थानों में से एक में, लुस्त्रा में, जाहिरा तौर पर, वह तीमुथियुस को पाता है, जो एक आस्तिक है। वह तब से आस्तिक रहा है जब पॉल पहले वहां था।

उनका पालन-पोषण टोरा के ज्ञान के साथ हुआ था, लेकिन उनका पालन-पोषण यहूदी धर्म में उनकी मां ने किया था, न कि उनके पिता ने, जिन्हें जाहिर तौर पर, हालांकि पिता को रोमन साम्राज्य में धर्म का नेतृत्व करना चाहिए था, जाहिर तौर पर उन्हें इस बात से कोई आपत्ति नहीं थी। माँ यहूदी धर्म में बच्चे का पालन-पोषण कर रही थी, लेकिन उसका खतना नहीं होने देती थी, जिसे कई यूनानियों और रोमनों द्वारा क्रूर और असभ्य माना जाता था। उनके पिता एक अन्यजाति थे। अब, यहूदियों का आम तौर पर मानना था कि अन्यजातियों के साथ अंतर्विवाह भगवान के क्रोध को आमंत्रित करता है।

कुछ प्रवासी यहूदी कम सख्त थे, विशेषकर लिस्त्रा या डर्बे जैसी जगह पर, जहाँ शुरुआत में बहुत अधिक यहूदी नहीं थे। मेरा मतलब है, आपके पास सीमित संख्या में विकल्प थे। तो, अध्याय 16 की आयत 3 में, हम देखते हैं कि तीमुथियुस के गैर-यहूदी पिता ने शायद उसे खतना कराने से मना किया था।

तब यहूदी लोग उसे एक अन्यजाति के रूप में देखेंगे। बाद के तल्मूडिक कानून के अनुसार, यदि आपकी माँ यहूदी है, तो आप यहूदी के रूप में गिने जाते हैं, लेकिन उसकी माँ, वह नियम शायद इस बिंदु पर अभी तक प्रभावी नहीं था, और साथ ही, उसका खतना भी नहीं हुआ था। इसलिए यहूदी लोग संभवतः उसे एक अन्यजाति के रूप में देखेंगे।

गैर-यहूदी उसे अन्यजातियों की तुलना में बहुत अधिक यहूदी के रूप में देखेंगे। और इसलिए मिशन की खातिर, पॉल ने अपनी स्थिति का मानकीकरण किया, जो प्राचीन दुनिया में एक महत्वपूर्ण बात थी जहां लोग बात करते थे, मेरा मतलब है, रब्बियों ने इसे निर्धारित किया था। खैर, यहूदी धर्म के संदर्भ में आपके माता-पिता की स्थिति के आधार पर आपकी स्थिति क्या है? रोमन कानून को यह तय करना था कि आपके माता-पिता वगैरह के आधार पर रोमन नागरिकता के संबंध में आपकी स्थिति क्या है।

इसलिए, उन्होंने मिशन की खातिर इसे मानकीकृत किया। अब, ध्यान रखें, यह वही पॉल है, जो गलातियों 2 के अनुसार, टाइटस का खतना नहीं होने देगा। लेकिन एक अंतर है।

एक सुसमाचार की रक्षा के लिए था, यह दिखाने के लिए कि अन्यजातियों को खतना करने की आवश्यकता नहीं है। दूसरा मिशन के लिए है, प्रासंगिकता के लिए है। इसलिए, हमें इस बात में

अंतर करना होगा कि हम मिशन के लिए क्या करते हैं और हम जो करते हैं वह मुक्ति के लिए एक आवश्यकता है।

हम मसीह में बने रहने के अलावा मोक्ष में कोई और शर्त नहीं जोड़ सकते। हम परमेश्वर के अनुबंधित लोगों का हिस्सा बनने के लिए आवश्यकताएँ नहीं जोड़ सकते। पॉल हमें इसकी याद दिलाएगा।

और मसीह में होने के अलावा, जेम्स जिस तरह से अमोस को संभालता है, उससे वह सहमत प्रतीत होता है। लेकिन मिशन की खातिर, हम कुछ बलिदान देने को तैयार हैं। और ये एक दर्दनाक बलिदान था।

वे उसके बाद तुरंत यात्रा भी नहीं कर सकेंगे। मुझे इसे कुछ दिन देने होंगे। लेकिन वैसे भी, अब मिशन टीम संवर्धित हो गई है।

इसमें सिलास है और इसमें टिमोथी है। वे एक नए क्षेत्र में दबाव डाल रहे हैं और पॉल को पवित्र आत्मा से सकारात्मक मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है। तो, वे आगे बढ़ रहे हैं, वे कुछ कर रहे हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि उनके पास इस बारे में कोई सीधा मार्गदर्शन नहीं है कि उन्हें वास्तव में क्या करना चाहिए।

हो सकता है कि वे रास्ते में मसीह को साझा करते रहे हों, लेकिन वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं। और यह एक तरह से शर्मनाक है कि अब पॉल टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। कभी-कभी जीवन ऐसा हो सकता है, जहां हम ठीक से नहीं जानते कि ईश्वर हमसे क्या चाहता है, लेकिन हमें भरोसा है कि वह हमें बताएगा।

पॉल को कुछ नकारात्मक मार्गदर्शन मिलता है, लेकिन उसे बहुत अधिक सकारात्मक मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है। फ्रीगिया का अधिकांश भाग गैलाटिया के दक्षिणी रोमन प्रांत में था। खैर, रोमन प्रांत, गैलाटिया के रोमन प्रांत का दक्षिणी भाग।

उत्तरी गैलाटिया कम आबादी वाला था। यह अधिनियमों में प्रकट नहीं होता है। हमारे पास इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि यह गैलाटियन्स में भी प्रकट होता है।

कई विद्वानों ने तर्क दिया है कि पॉल ने वास्तव में उत्तरी गैलाटिया में सेवा की थी और यह अधिनियमों से छूट गया है। और संयोगवश, जब पॉल दक्षिण गैलाटिया का उल्लेख नहीं करता है, भले ही यह एक्ट्स में दिखाई देता है, और भले ही एक्ट्स में वह जिन अन्य स्थानों पर गया था उनमें से अधिकांश उसके पत्रों में दिखाई देते हैं, आज अधिकांश विद्वान मानते हैं कि यह सच नहीं है। पॉल दक्षिण गैलाटिया गया।

मंत्री बनने के लिए उत्तरी गैलाटिया जाने का कोई कारण नहीं है। इसकी जनसंख्या कम थी। रोमन उपनिवेशों की दृष्टि से यह कम उन्नत था।

गलाटिया प्रांत के दक्षिणी भाग के विपरीत, यहां यहूदी आबादी बिल्कुल भी अधिक नहीं थी। लोग कहते हैं, ठीक है, नहीं, पॉल फ्रीजियन के विपरीत जातीय गलाटियन के बारे में बात कर रहा होगा, जातीय गलाटियन उत्तरी गलाटिया में हैं। हालाँकि, वह आमतौर पर प्रांतों की उपाधियों का उपयोग करता है।

इसलिए, जब पॉल कहता है, हे गलातियों, वह गलातिया प्रांत के बारे में बात कर रहा है, जिसमें फ्रीगिया का अधिकांश भाग शामिल था, जिसे उसने प्रेरितों के काम की पुस्तक में स्पष्ट रूप से प्रशासित किया था। और जो लोग अनातोलिया, अनातोलिया के आंतरिक भाग के विशेषज्ञ हैं, उनमें सिर्फ विलियम रैमसे ही नहीं, बल्कि स्टीफन मिशेल भी हैं, जो आज अग्रणी अनातोलियन पुरातत्वविद् हैं, और बारबरा लेविक, जो संभवतः पिछली पीढ़ी के अग्रणी अनातोलियन पुरातत्वविद् थे। अनातोलियन पुरातत्वविद् इस बात से सहमत हैं कि पॉल उत्तरी गलाटिया नहीं, बल्कि दक्षिण गलाटिया गया था।

और फिर, न्यू टेस्टामेंट के अधिकांश विद्वान भी इस बात से सहमत हैं। तो, पॉल अभी भी दक्षिण गैलाटिया में है, फ्रीजियन गैलाटिया में है, और श्लोक 6 में है। श्लोक 6 और 7 में, हम देखते हैं कि उसे नकारात्मक मार्गदर्शन मिलता है। उसे पवित्र आत्मा द्वारा कुछ निश्चित दिशाओं में जाने से मना किया गया है।

उसे एशिया जाने से मना किया गया है। अब, यहां एशिया का मतलब एशिया का रोमन प्रांत है। वह पहले से ही एशिया में है।

वास्तव में, सुसमाचार की उत्पत्ति एशिया में हुई। इसकी उत्पत्ति गलील और यरूशलेम में हुई, जो ग्रीक और रोमन मानकों के अनुसार, अफ्रीका के निकट एशिया था। तो, एक प्रमुख रोमन सड़क थी जो पश्चिम की ओर जाती थी जहाँ से वह आज पश्चिमी एशिया माइनर, पश्चिमी तुर्की में एशिया के इस रोमन प्रांत तक जाती थी।

खैर, उसे उस तरफ जाने से मना किया गया है। कभी-कभी भगवान की ना एक अस्थायी ना होती है। बाद में, वहाँ एक बड़ा पुनरुद्धार हुआ, लेकिन पॉल अभी तक इसके लिए तैयार नहीं था।

इसलिए, उसे पहले छोटी जगहों पर प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। ईश्वर इसे जिस प्रकार चाहे, कर सकता है। लेकिन किसी भी मामले में, अगली जगह वह जाता है, पाठ श्लोक 7 में कहता है, कि यह मैसिया के खिलाफ खत्म हो गया था।

इसका विभिन्न तरीकों से अनुवाद किया गया है, लेकिन संभवतः काटा का अनुवाद करने का यह सबसे निकटतम तरीका है। लेकिन जिस स्थान पर वह है, वह उत्तर में बिथिनिया जाने के लिए दाएं मुड़ सकता है, या वह पश्चिम में एशिया के रोमन प्रांत मैसिया और एशिया जाने के लिए बाएं मुड़ सकता है। लेकिन उन्हें ऐसा करने से मना किया गया था।

तो, वह श्लोक 8 में मैसिया से होकर यात्रा करता है। अब, कुछ अनुवाद मैसिया द्वारा कहते हैं, लेकिन मैसिया के माध्यम से शायद इसे बेहतर तरीके से दर्शाया गया है। हालाँकि इनमें से कुछ लेबल अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किए गए थे, लेकिन संभवतः

मैसिया से होकर गुजरते हैं क्योंकि वह उत्तर-पश्चिम में ट्रोंआस की ओर बढ़े, जो उत्तर-पश्चिम मैसिया में है। अब, इस काल में ट्रोंआस एक बहुत ही महत्वपूर्ण रोमन उपनिवेश था।

इसका पूरा नाम अलेक्जेंड्रिया ट्रोंआस है। इसमें एक लाख लोग रहे होंगे, जो प्राचीन मानकों के हिसाब से बहुत, बहुत बड़ा था। यह एक रोमन उपनिवेश था।

तो फिर, इसका रोम से संबंध था। यह पॉल के पत्रों में दिखाई देता है, हालाँकि हमारे पास ट्रोंजन या उसके जैसा कुछ पत्र नहीं है। यह ओल्ड ट्रॉय के पास है।

यदि आप सामान्य रूप से होमर के इलियड और ग्रीक साहित्य से परिचित हैं, लेकिन होमर का इलियड ऐसा था जैसे यूनानियों ने इसे अपने सिद्धांत, अन्य चीजों के लिए अपना साहित्यिक आधार माना था। यह उस ट्रोंजन युद्ध की बात करता है जो हुआ था। खैर, यह किंवदंती है, लेकिन संभवतः ट्रोंजन युद्ध हुआ था, लेकिन इलियड में बहुत सारे विवरण पौराणिक हैं, लेकिन अक्सर 1186, 1196 ईसा पूर्व के आसपास अनुमान लगाया जाता है, इसलिए इस समय से एक सहस्राब्दी या उससे भी पहले।

तो, ट्रोंजन युद्ध को ग्रीक और रोमन परिप्रेक्ष्य से एशिया पर यूरोपीय आक्रमण के रूप में समझा गया था। जिस तरह से हम आज महाद्वीपों के बारे में बात करते हैं वह वास्तव में इस अर्थ में एक यूरोकेंद्रित आविष्कार है कि यूनानियों ने अपने पूर्व की हर चीज़ को एशिया के रूप में परिभाषित किया था। उनके और पश्चिम के लिए, वह यूरोप था, और भूमध्य सागर के दक्षिण में, वह अफ्रीका था।

बेशक, वे अमेरिका के उन महाद्वीपों के बारे में नहीं जानते थे जिनका नाम उसके लंबे समय बाद अमेरिगो वेस्पूची के नाम पर रखा गया था। तो, यूनानी दुनिया और जो फ़ारसी दुनिया बन गई और जिसे वे एशियाई दुनिया मानते थे, के बीच की सीमा ग्रीस और जो अब तुर्की है, के बीच की सीमा थी। और वह स्थान जहां वे आमतौर पर आक्रमण करते थे, यह सिकंदर महान के लिए भी सच है, जिन्होंने खुद को ट्रोंजन युद्ध के समान कुछ करने की कोशिश कर रहे एक नए अकिलिस के रूप में देखा, उन्होंने खुद को यूरोप द्वारा एशिया पर आक्रमण करने वाले, या ग्रीस द्वारा एशिया पर आक्रमण करने वाले के रूप में देखा।

खैर, यहां पॉल ट्रोंआस आता है, और भगवान कुछ ऐसा करने जा रहा है जिसे प्राचीन भूमध्यसागरीय दुनिया के पाठकों ने विपरीत के रूप में देखा होगा। अब इस समय तक संस्कृतियाँ दोनों तरफ फैल चुकी थीं। सिकंदर के बाद, यूनानी संस्कृति एशिया और एशियाई संस्कृति से प्रभावित हुई, पश्चिमी एशियाई संस्कृति ग्रीस से प्रभावित हुई।

लेकिन किसी भी मामले में, सांस्कृतिक ओवरलैप के बावजूद, यूनानी और रोमन अभी भी इन भौगोलिक विभाजकों का उपयोग कर रहे थे। और इसलिए अब, ट्रोंआस से मैसेडोनिया की ओर प्रस्थान करते हुए, हमारा एशियाई विश्वास यूरोप में फैल रहा है। लेकिन यह एक उग्रवादी विजय होने के विपरीत, यह शांति की अच्छी खबर ला रही है।

और अब प्रभाव सकारात्मक रूप से दूसरी ओर जा रहा है, विजेताओं की ओर से नहीं, बल्कि एशिया से यूरोप में आ रही मुक्ति की अच्छी खबर। और निःसंदेह, यहूदी धर्म और ईसाई धर्म को एशियाई आस्थाओं के रूप में देखा जाता था। हम उन्हें मध्य पूर्वी आस्थाओं के अलावा पश्चिमी एशियाई आस्थाओं के रूप में भी बोल सकते हैं।

अब, यहां हमारे पास कुछ भ्रमित करने वाला मार्गदर्शन है। पवित्र आत्मा उन्हें मना कर रहा था। उन्हें अभी तक सकारात्मक मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है कि उन्हें कहां जाना है।

लेकिन अंत में, त्रोआस में, पॉल को एक सपना या एक रात का दर्शन हुआ, और वह और अन्य लोग एक साथ इकट्ठा हुए, और उन्होंने एक साथ इसकी व्याख्या की और निष्कर्ष निकाला कि सपने का मतलब यह होना चाहिए कि वे मैसेडोनिया जा रहे हैं। पौलुस ने स्वप्न में मकिदुनिया के एक पुरुष को यह कहते हुए देखा, कि मकिदुनिया में आकर हमारी सहायता करो। उसे क्या मालूम कि यह मैसेडोनिया का आदमी है? लोग कभी-कभी उस आदमी के विशिष्ट पहनावे के बारे में बहस करते हैं, या इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से, एक कारण यह है कि उसे पता चल जाएगा कि वह आदमी मैसेडोनिया का आदमी है क्योंकि वह आदमी कहता है, मैसेडोनिया आओ और हमारी मदद करो।

और लोगों ने अनुमान लगाया, कि यह मैसेडोनिया का पुरुष कौन है? शायद सिकंदर महान को आप मूर्तियों से पहचान सकें। या शायद कुछ लोगों ने अनुमान लगाया है, शायद यह ल्यूक है। लेकिन वास्तव में, यह हमें कोई सुराग नहीं देता है।

संभवतः यदि यह उनमें से एक होता, तो यह हमें बस यही बताता, कि यह मैसेडोनिया का एक व्यक्ति है। वह कहता है, मैसेडोनिया आओ और हमारी सहायता करो। हो सकता है कि यह फ़िलिपियन जेलर हो, लेकिन फिर, शायद ल्यूक हमें बताएगा कि क्या ऐसा होता।

तो, किसी भी स्थिति में, वे फिलिप्पी के लिए रवाना होते हैं। अब, बाद में, पॉल एशिया जाएगा। वहां बहुत बड़ा पुनरुद्धार होगा, लेकिन अभी समय नहीं आया है।

भगवान का समय महत्वपूर्ण है, साथ ही भगवान का बुलावा भी। मार्गदर्शन मायने रखने वाला था। यह अच्छा है कि वे इस बिंदु पर यूं ही नहीं घूम रहे हैं।

यह अच्छा है कि उनके पास आगे बढ़ने का कम से कम एक सपना है। कभी-कभी एक सपना पूरा नहीं लग सकता है, लेकिन उनके पास रखने के लिए कुछ न कुछ तो होना ही चाहिए। फिलिप्पी में उन्हें पीटा जाता है।

वे थिस्सलुनीके में पिये। उन्हें बेरिया से खदेड़ दिया जाता है। मूलतः, वे मैसेडोनिया से भाग जाते हैं।

यह जानना वास्तव में अच्छा है कि जब आप कठिनाई की स्थिति में जाते हैं तो आपके पास कम से कम कुछ मार्गदर्शन होता है। कहो, ठीक है, प्रभु चाहते थे कि मैं यहाँ रहूँ, इसलिए यह ठीक है। और यही उनके पास होना ही चाहिए था।

खैर, वे त्रोआस से रवाना हुए, और यात्रा में केवल दो दिन लगे, जिसका मतलब है कि यह साल का सही समय है। उनके पास अनुकूल हवाएँ हैं। बाद में एक्ट्स में, मौसमी हवाओं के कारण और क्योंकि वे विपरीत दिशा में जा रहे हैं, उन्हें उल्टी यात्रा में लगभग छह दिन लगेंगे।

और यह सब वर्ष के संबंधित समय में हवा के पैटर्न वगैरह के बारे में हमारी जानकारी से मेल खाता है। लेकिन यह कहता है कि वे सैमोथ्रेस से आगे निकल जाते हैं। सैमोथ्रेस लगभग आधा रास्ता तय कर चुका है।

वहाँ एक विशाल पर्वत है जो आपको दूर से ही सैमोथ्रेस को पहचानने देगा। चूँकि यह दो दिवसीय यात्रा है, हो सकता है कि उन्होंने रात भर सैमोथ्रेस में लंगर डाला हो। सैमोथ्रेस किबेरी आदि के रहस्यों के लिए जाना जाता था, लेकिन उन्होंने संभवतः सैमोथ्रेस में कुछ खास नहीं किया।

उनका लक्ष्य मैसेडोनिया पहुंचना है। और इसलिए, हम इसके बारे में अध्याय 16 श्लोक 11 से 20 में पढ़ते हैं जब वे फिलिप्पी में आ रहे हैं। और हम फिलिप्पी में श्लोक 11 से 15 में प्रारंभिक प्रतिक्रिया के बारे में पढ़ते हैं।

मैंने बताया कि पहाड़ी सैमोथ्रेस दिखाई देगी। वह पहला बंदरगाह होगा। यह लगभग आधा रास्ता था।

लेकिन अंततः, जब वे मैसेडोनिया आते हैं, तो वे नेपोलिस आते हैं। वह दक्षिण मैसेडोनिया के दो सबसे अच्छे बंदरगाहों में से एक था। दूसरा था थिस्सलुनीके, जिसके बारे में हम अध्याय 17 के पद 1 में देखेंगे। नेपोलिस बंदरगाह शहर या बंदरगाह शहर था जो सीधे फिलिप्पी की सेवा करता था।

जैसा कि मैंने बताया, दो दिवसीय यात्रा में सर्दियों को छोड़कर अनुकूल हवाओं का संकेत मिला। समुद्री यात्रा तेज और कम खर्चीली थी। और इस बिंदु पर, आपके पास यात्रा करने के लिए इतनी दूर नहीं है।

यह निकटतम बिंदुओं में से एक है जहां आप एशिया से मैसेडोनिया तक यात्रा कर सकते हैं। जब वे वहाँ आये तो शायद वे प्रतिदिन लगभग 100 मील चल रहे थे। नेपोलिस।

सिंबोलिम के पार उत्तर पश्चिम में लगभग 10 मील की दूरी पर था। और यह इग्राटियन वे का पूर्वी छोर था। पश्चिमी छोर ग्रीस के दूसरी ओर या ग्रीस के उत्तर में एड्रियाटिक बंदरगाह, डायरेटियम था, जहाँ से कोई भी इटली जा सकता था।

फिलिप्पी 42 ईसा पूर्व से एक गौरवान्वित रोमन उपनिवेश था। जब मैं एक गौरवान्वित रोमन उपनिवेश की बात करता हूँ, तो वे लैटिन के प्रयोग पर जोर देते थे, लैटिन शिलालेख रखते थे, उदाहरण के लिए, डायना के प्रति बहुत अधिक समर्पण। खैर, परंपरागत रूप से, मैसेडोनियन थे, वे यूनानियों के साथ अधिक पहचान रखते थे और उन्हें आर्टेमिस कहा जाता था।

लेकिन फिलिप्पी में वह डायना थी। वे अपनी रोमन संस्कृति से बहुत सशक्त रूप से जुड़े हुए थे। यदि आप फिलिप्पी के नागरिक थे, जिसके सभी निवासी नहीं थे, तो संभवतः लिडिया नहीं है।

यदि आप फिलिप्पी के नागरिक थे, तो आप रोम के मानद नागरिक थे। यह रोमन उपनिवेश होने के अर्थ का एक हिस्सा है, भले ही आप वहां कभी नहीं गए हों। इसीलिए जब पॉल फिलिप्पियों 3.20 में फिलिप्पियों को लिखता है, तो वह हमारी नागरिकता के स्वर्ग में होने की बात कर सकता है क्योंकि फिलिप्पियों ने निश्चित रूप से समझा था कि उस स्थान का नागरिक होने का क्या मतलब है जहां वे कभी नहीं रहे थे।

अब फिलिप्पी, भले ही यह एक रोमन उपनिवेश था, पहले के कुछ रोमन नागरिक युद्धों और रोम की मैसेडोनिया की प्रारंभिक विजय के कारण, लेकिन पॉल द्वारा देखे गए कई शहरी क्षेत्रों के विपरीत, यह एक वाणिज्यिक केंद्र की तुलना में अधिक कृषि केंद्र था। लेकिन यह अभी भी था, यह एक उपनिवेश था, यह एक जगह थी जहां पॉल मंत्री बनना चाहता था। थेस्सालोनिका मैसेडोनिया की राजधानी थी, लेकिन यहाँ फिलिप्पी, ल्यूक इसे प्रांत का पहला शहर कहते हैं।

अब कभी-कभी लोग पहले का उपयोग शीर्ष वाले के लिए करते हैं, लेकिन प्राचीन साहित्य में मुझे जहां भी जगह मिली, उदाहरण के लिए, स्ट्रैबो का भूगोल, क्योंकि वह विभिन्न शहरों के बारे में बात कर रहा है, वह इसे पहले शहर के रूप में बोलता है और यह एक है पहला शहर, मतलब यह एक मुख्य शहर है, यह एक प्रमुख शहर है। फिलिप्पी प्रांत का एक प्रमुख शहर था, जो थेस्सालोनिका के साथ-साथ वहां के सबसे प्रतिष्ठित शहरों में से एक था। पॉल और सिलास किसी संबंध की तलाश में हैं।

उनका वहां कोई आराधनालय नहीं है, लेकिन उनका मानना है कि अगर यहां कोई है जो यहूदी धर्म का पालन करता है, तो वह पानी के पास होगा क्योंकि वहां आपको प्रार्थना के समय हाथ धोने आदि का अभ्यास करना होगा। इसलिए, वे प्रार्थना स्थल की तलाश में जाते हैं। प्रार्थना का स्थान, इस शब्दावली का अर्थ आराधनालय हो सकता है, लेकिन ल्यूक आमतौर पर आराधनालय कहता है जब उसका मतलब यही होता है।

तो जाहिर तौर पर यहां कोई इमारत नहीं है। उन्हें जो मिला वह कुछ महिलाएं हैं। आम तौर पर, कम से कम बाद की परंपरा के अनुसार, आपको एक आराधनालय बनाने के लिए कम से कम 10 यहूदी पुरुषों के कोरम की आवश्यकता होती है।

मैं जानता हूँ कि एक शहर में एक आराधनालय है जहां मैं जाता था और मैं गिनती नहीं कर सका क्योंकि मैं यहूदी नहीं हूँ। इसलिए, 10 यहूदी पुरुषों का कोरम प्राप्त करने के लिए, कभी-कभी उनके पास पर्याप्त नहीं होता था। दरअसल, यह एक सुधारित आराधनालय था, इसलिए उन्होंने कभी-कभी महिलाओं की भी गिनती की होगी, लेकिन कभी-कभी उनके पास सेवा आयोजित करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं होती थी।

इसलिए, उन्हें कुछ लोगों को फोन करके बुलाना पड़ा और उन्हें बाहर लाना पड़ा ताकि वे अपना कोरम पूरा कर सकें। लेकिन किसी भी मामले में, कम से कम इसे पानी के पास एक शुद्ध स्थान

पर आयोजित करने की आवश्यकता थी और खुदाई से प्राचीन आराधनालयों के लिए इसके महत्व का पता चलता है। यदि आपके पास आराधनालय बनाने के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं, तो कम से कम आप एक प्रार्थना सभा तो रख सकते थे।

ठीक है, इसलिए वे पद 13 के अनुसार, उन्हें ढूँढते हुए नदी के किनारे जाते हैं। अब, उनका तात्पर्य किस नदी से है? खैर, निकटतम वास्तविक नदी गेंगाइट्स थी। यह स्ट्रीमन नदी की एक सहायक नदी है।

यह फिलिप्पी से लगभग सवा मील या दो किलोमीटर से अधिक दूर है। इसलिए यह फरीसी मानकों के अनुसार सब्त के दिन की यात्रा से कहीं अधिक थी। कुछ अन्य लोगों का मानना है कि यह शहर के एक तरफ क्रीक क्रोनाइट्स है।

कुछ अन्य लोगों का मानना है कि यह एक सूखी हुई धारा है, फिर भी यह सूखी नहीं थी, शहर के दूसरी तरफ, जहां वास्तव में एक परंपरा है और वहां एक चर्च है, परंपरा है कि यह वह जगह है जहां यह हुआ था। मुझे लगता है कि यह शायद गेन्जाइट्स नदी के पास था, इस तथ्य को देखते हुए कि उनके पास कोरम भी नहीं था, ये महिलाएं शायद सब्त के दिन की यात्रा के बारे में यहूदिया में फरीसी मानकों के बारे में ज्यादा चिंतित नहीं थीं। और पॉल 2,000 हाथ से अधिक न चलने की बजाय लोगों तक पहुँचने के बारे में अधिक चिंतित है।

तो, वे वहां जाते हैं और वे उन्हें ढूँढते हैं। यह कहता है कि यह नगर द्वार के बाहर है। खैर, ये सभी प्रस्ताव शहर के गेट के बाहर हैं, शायद यहां का शहर का गेट, अगर हम गेंगाइट्स के बारे में बात कर रहे हैं, तो शायद फिलिप्पी का औपनिवेशिक प्रवेश द्वार है, जिसके माध्यम से वाया एग्रेशिया, रोमन सड़क जो इतालवी पक्ष से गुजरती थी मैसेडोनिया के माध्यम से ग्रीस के उत्तर में, जहाँ से आप त्रोआस तक समुद्र पकड़ सकते थे।

यह अधिकतर भूमि यात्राओं के संदर्भ में रोम और एशिया माइनर के बीच एक प्रमुख पूर्व-पश्चिम नाली थी। वह फिलिप्पी से होकर चंगेज़ियों तक चला गया। 16:14 में, वे इन महिलाओं को वहां पाते हैं, और महिलाएं गैर-स्थानीय आस्थाओं, एशियाई आस्थाओं आदि के प्रति अधिक खुली होती हैं, क्योंकि स्थानीय आस्थाओं का पालन न करने के कारण उनकी स्थिति कम होती है।

रूढ़िवादी रोमन अक्सर इस बारे में शिकायत करते थे। उन्होंने शिकायत की कि महिलाएं पूर्वी धर्मों का अनुसरण कर रही थीं, जिनमें यहूदी धर्म और ईसाई आंदोलन शामिल थे। जोसेफस का कहना है कि पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक महिलाएं यहूदी धर्म का पालन करती थीं।

यह स्वाभाविक रूप से पूर्ण रूप से परिवर्तित लोगों पर लागू होता है, जिनके लिए खतना एक वयस्क के रूप में एक दर्दनाक अनुभव हो सकता है, संभवतः एक यहूदी महिला के लिए। वयस्क उस अनुभव को इतना याद नहीं रखते, हालाँकि आराधनालय में एक व्यक्ति था जिसने मुझसे कहा, क्या आप जानते हैं कि आज यहूदी शराबी इतने कम क्यों हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने बचपन में उनका खतना करने से पहले उनकी जीभ में थोड़ी सी शराब डाल दी थी,

और आप यह सोचते हुए बड़े हुए थे, लड़के, अगर इससे इतना दर्द होता है, तो मैं इसे बहुत ज्यादा नहीं करना चाहता। वैसे भी, वह मजाक कर रहा था।

लेकिन जोसेफस ने बताया कि यहूदी धर्म का पालन करने वालों में पुरुषों की तुलना में महिलाएं कहीं अधिक थीं। वह न केवल पूर्ण रूप से परिवर्तित लोगों के लिए था, बल्कि वह यहूदी धर्म से सहानुभूति रखने वालों के लिए भी था। फिर, उनके पास खोने के लिए बहुत कुछ नहीं था, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि जिन लोगों को वे यहां पाते हैं वे महिलाएं हैं।

खैर, ग्रीक संस्कृति में महिलाओं को अक्सर प्रतिबंधित किया गया था, मैसेडोनिया में इतना नहीं, जहां वे हैं, लेकिन सामान्य तौर पर। लेकिन एक ऐसा क्षेत्र जहां यूनानियों ने भी महिलाओं को कोई भी सार्वजनिक जिम्मेदारी दी है, जब मैं यूनानियों की बात करता हूं, तो मैं स्पार्टा के विपरीत, एथेनियन संस्कृति की तरह एटिका के बारे में अधिक सोच रहा हूं। लेकिन एक क्षेत्र जहां यूनानियों ने महिलाओं को विशेष रूप से कोई सार्वजनिक जिम्मेदारी दी, वह धर्म था, और यहां फिलिप्पी में डायना पंथ में महिलाएं भारी रूप से शामिल थीं।

और वैसे भी मैसेडोनियाई महिलाएं ऐतिहासिक रूप से ग्रीक महिलाओं की तुलना में अधिक स्वतंत्र थीं। खैर, पॉल महिलाओं को पढ़ा रहे हैं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कुछ यहूदी इसे संदिग्ध मानेंगे।

वास्तव में, यदि आपके शत्रु हैं और आपकी समर्थक महिलाएं हैं, जैसा कि यीशु ने ल्यूक 8, 1-3 में किया था, और निश्चित रूप से पिछला मार्ग जहां 7, 36-50 में महिला उसके पैर धो रही है, रूढ़िवादी यहूदी देखते हैं उस पर नीचे। और जो कोई भी आपको पसंद नहीं करता, वह इसे हेय दृष्टि से देखेगा। वे इसे शिकायत के कारण के रूप में उपयोग करेंगे।

जब कुछ फरीसियों की कुछ महिला समर्थक थीं, तो जो लोग फरीसियों को पसंद नहीं करते थे, उन्होंने इसकी शिकायत की और कहा, ओह, आप देखते हैं, आप महिलाओं की सेवा कर रहे हैं। लेकिन किसी भी स्थिति में, पॉल उन लोगों तक पहुंचता है जिन तक पहुंचना है और जहां से वह शुरू कर सकता है वहां से शुरू करता है। लिडिया थुआतीरा की रहने वाली थी।

इसमें कहा गया है कि भगवान ने सुसमाचार के लिए उसका दिल खोल दिया। लिडिया थुआतीरा से थी, श्लोक 14। लिडिया एक सामान्य नाम था, लेकिन यह विशेष रूप से थुआतीरा के किसी व्यक्ति पर फिट बैठता है क्योंकि थुआतीरा प्राचीन लिडिया में था।

और यदि किसी के पास, उदाहरण के लिए, एक नौकर था जिसे लिडिया के किसी क्षेत्र से खरीदा गया था, तो वे कभी-कभी नौकर को लिडिया उपनाम देते थे या वह नाम देते थे। थुआतीरा रंगरेज संघों और वस्त्रों के लिए जाना जाता था। शिलालेखों से पता चलता है कि थुआतीरा के अन्य व्यापारिक एजेंट भी मैसेडोनिया में बैंगनी रंग बेचते थे।

इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि यह लिडा का व्यवसाय होगा। और अक्सर वे ऐसा करके समृद्ध हो रहे थे, भले ही मैसेडोनिया के अधिकांश लोग गरीब थे। वहाँ कुछ बहुत अमीर मैसेडोनियावासी थे, और यह एक बहुत ही लाभदायक व्यापार था।

नाम और व्यापार से कई विद्वानों को पता चलता है कि वह एक स्वतंत्र महिला रही होगी। अब, जब हम इस तरह की चीजों के बारे में बात करते हैं, तो हम संभाव्यता के स्तर के बारे में बात कर रहे हैं। वह शायद एक स्वतंत्र महिला रही होगी, यानी एक पूर्व दासी।

मुक्त किए गए व्यक्ति अक्सर अपने पूर्व दासधारकों के व्यवसायों में एजेंट के रूप में काम करते रहे। और यह सच था, हम शिलालेखों से जानते हैं, बैंगनी रंग के कई व्यापारियों के बारे में, लेकिन उनमें से कई स्वतंत्र व्यक्ति थे। तो यह लिडिया के बारे में भी सच हो सकता है।

इस काल तक, महिलाएँ कभी-कभी व्यवसाय में लगी रहती थीं। और गुलाम महिलाएं भी प्रबंधक बन सकती हैं, जैसे गुलाम पुरुष हो सकते हैं। संभवतः वह संपन्न थीं।

जब मैं कहता हूँ कि संभवतः वह संपन्न थी, तो एक दास के रूप में भी वह थोड़ी संपन्न हो सकती थी, क्योंकि दासों को अक्सर अपने पास कुछ पैसे रखने की अनुमति होती थी। तकनीकी रूप से, यह दास-धारक का था, लेकिन रोमन कानून वास्तव में दासों को इसे काफी हद तक नियंत्रित करने की अनुमति देता था, बशर्ते कि दास-धारक ऐसा करता, जो आम तौर पर प्रबंधकों के मामले में होता था, यदि दास प्रबंधक की अपनी आय होती। हालाँकि, इस बात की अधिक संभावना है कि वह एक आज़ाद व्यक्ति होगी, या वह बस आज़ाद हो सकती है, लेकिन संभवतः एक आज़ाद व्यक्ति होगी।

अब, बैंगनी रंग के विक्रेता के रूप में वह शायद अच्छी तरह से काम कर रही थी। यह भूमध्यसागरीय दुनिया में और पूर्व में फारस में भी एक विलासिता की वस्तु थी। यह एक हजार वर्षों से भी अधिक समय से भूमध्यसागरीय दुनिया में एक विलासिता की वस्तु रही है।

टायर के पास म्यूरेक्स शेलफिश थी। आपको इस मोलस्क का बैंगनी रंग निचोड़ने के लिए इसमें से बहुत सारे टुकड़ों को कुचलना होगा। और फिर उसका उपयोग कपड़ों पर किया जाने लगा।

थोड़ा सा बैंगनी परिधान पाने के लिए आपको उनमें से हजारों को निचोड़ना पड़ सकता है। तो इसीलिए ये इतना महंगा था। वह बैंगनी रंग का मुख्य स्रोत था।

और स्वाभाविक रूप से, चूंकि यह मोलस्क की निचोड़ी हुई गंदगी पर आधारित था, बैंगनी रंग की गंध बहुत अच्छी नहीं थी। लेकिन वह सब ठीक था। यह एक स्टेटस सिंबल था।

लोग स्टेटस सिंबल की खातिर गंध सहने को तैयार थे। और इसलिए आम तौर पर इसका कारोबार बहुत, बहुत अमीर चीज़ में किया जाता था। अब, कुछ नकली बैंगनी भी थे और उनमें से कुछ कुछ चीजों पर आधारित थे जो एशिया माइनर में उपलब्ध थे।

आपके पास केर्मेस ओक था जिससे आप लाल रंग प्राप्त कर सकते थे। और साथ ही, मैसेडोनिया के पास, आपके पास एक तरीका था जिससे आप नकली बैंगनी प्राप्त कर सकते थे। इसलिए, वह इस अवधि में बैंगनी रंग का सबसे महंगा रूप नहीं बेच रही होगी।

हो सकता है वह कुछ सस्ता बेच रही हो। लेकिन किसी भी मामले में, वह संभवतः संपन्न है क्योंकि ऐसा करने पर आप बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे होंगे। वह बैंगनी रंग की निर्माता नहीं है।

यह साइमन टान्नर के घर की तरह बदबूदार नहीं होगा, लेकिन वह बैंगनी रंग से रंगी हुई चीजों की विक्रेता है। तो, आतिथ्य. पॉल, जब तक वह लिडिया से नहीं मिला, और सिलास और टिमोथी और ल्यूक, जो इस समय उसके साथ हैं, तब तक शायद एक सराय में रह रहे होंगे।

वह निश्चित रूप से आदर्श नहीं था। निश्चित रूप से, किसी अन्य यहूदी परिवार से आतिथ्य पाना बेहतर था। सामान्यतः ऐसा ही किया जाता था।

यीशु ने इसे इसी प्रकार करने के लिए कहा था। लेकिन अगर आपके पास कहीं और जाने के लिए नहीं है, तो आपको एक सराय में जाना होगा। सराय अनैतिक सराय मालिकों के लिए कुख्यात थे जो कभी-कभी लोगों को लूट भी सकते थे।

जब लोग बाहर होते थे, तो वे चीजें चुरा सकते थे। यहूदी संस्कृति में सराय भी अपनी अनैतिकता के लिए कुख्यात थीं क्योंकि कई बार आपके पास एक शराबखाना होता था, जिसे अपने आप में अनैतिक नहीं माना जाता था, लेकिन शराबखाने की नौकरानियाँ, जो अक्सर गुलाम होती थीं जिन्हें कूड़े के ढेर से बचाया जाता था शिशुओं के रूप में। अब उनका पालन-पोषण दास-वेश्याओं के रूप में किया जाने लगा।

वे सराय के बाकी हिस्सों में वेश्याओं के रूप में काम करेंगी। इसलिए, यह यहूदी लोगों के रहने के लिए आदर्श स्थान नहीं था। खटमल जैसी चीजों की भी समस्याएँ थीं।

आपने इनके बारे में वास्तव में दूसरी शताब्दी के अंत में जॉन के अधिनियमों में पढ़ा। यह एक उपन्यास है। यह उन औपन्यासिक कृत्यों में से मेरा पसंदीदा है जहां आपके पास ये सभी खटमल हैं और जॉन उनसे छुटकारा पाना चाहता है।

इसलिए, वह उन्हें प्रभु के नाम पर आदेश देता है। आप उम्मीद कर रहे हैं कि आग स्वर्ग से उतरेगी और खटमलों को भस्म कर देगी, लेकिन मुझे यह पसंद है। कोई आग नहीं।

वह बस उन्हें आदेश देता है और वे एक फ़ाइल की कतार बनाकर कमरे से बाहर चले जाते हैं। लेकिन किसी भी मामले में, आतिथ्य सत्कार प्राचीन भूमध्यसागरीय दुनिया में एक प्रमुख मूल्य था, यहूदी धर्म में एक प्रमुख मूल्य था, यहां तक कि कई अन्य संस्कृतियों की तुलना में भी अधिक। लिडिया आतिथ्य प्रदान करती है।

परमेश्वर के किसी पुरुष या स्त्री का आतिथ्य सत्कार करना वास्तव में एक सम्मान माना जाता था। इसलिए, वह उनकी संरक्षक या उपकारी के रूप में कार्य करती है। सबसे तकनीकी रोमन अर्थ में संरक्षक नहीं, बल्कि अधिक सामान्य तरीके से संरक्षक, जिसमें नए नियम के विद्वान आज इसका उपयोग करते हैं।

किसी ऐसे व्यक्ति की तरह नहीं जो रोमन गणराज्य में है जो कार्यालय के लिए दौड़ रहा था और ये ग्राहक उसके पीछे-पीछे घूम रहे थे ताकि ऐसा लगे कि उसके पास एक महान अनुचर है ताकि अधिक लोग उसे वोट दें, लेकिन अधिक सामान्य तरीके से जिसमें हम इसका उपयोग करते हैं। वह एक उपकारी या संरक्षक के रूप में कार्य करती है। बहुत कुछ वैसा ही जैसा आप 2 कुरिन्थियों 4 :8 से 11 में देखते हैं, जहां शुनेमिन स्त्री कहती है, है, आओ, परमेश्वर के इस जन, एलीशा, के लिए हमारे यहां रहने के लिए एक जगह बनाओ।

और कुछ हद तक, हालांकि थोड़ी कम स्वेच्छा से, 1 राजा 17 में सारपत की विधवा के लिए। जाहिर है, वह अपने परिवार की मुखिया है। हो सकता है कि वहां कोई ऐसा आदमी हो जो शांत स्वभाव का हो, लेकिन जाहिर तौर पर वह घर की मुखिया है।

और शायद इसका मतलब यह है कि उसके पास कई नौकर हैं। वह विधवा हो सकती है, लेकिन एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में, उसने शायद शादी करने का विकल्प नहीं चुना है। उसे क्या करना चाहिए, इसके बारे में उसके पास बहुत सारे विकल्प होंगे, लेकिन वहां बहुत सारे लोग होंगे।

यदि कोई घोटाले का कारण ढूंढ रहा है, तो वे उस महिला के साथ रह रहे हैं। खैर, वे उसके साथ अकेले नहीं रह रहे हैं। मेरा मतलब है, उनमें से एक पूरा समूह है और उसके परिवार का एक पूरा समूह वहां है, लेकिन यह अभी भी कुछ ऐसा होगा जिसे आरोप लगाने वाले लांछन के रूप में उपयोग करेंगे, जैसे कि यीशु जब पढ़ा रहे थे तो उनके शिष्यों के साथ महिलाएं भी थीं।

यीशु और पॉल के बारे में हमें जो वर्णन मिलता है, उससे यह बिल्कुल स्पष्ट है कि ये अत्यधिक नैतिक लोग थे, लेकिन कभी-कभी सुसमाचार के लिए भी, उन्हें कुछ पारंपरिक सीमाओं को तोड़ना पड़ता था। ऐसा नहीं है कि ऐसा कभी नहीं किया गया। ऐसा किया गया।

बात बस इतनी है कि अगर आपके दुश्मन हों, तो वे बदनामी का कारण ढूंढ सकते हैं, लेकिन फिलिप्पी में उनकी बदनामी इस वजह से नहीं होती। उन्हें किसी और बात पर बदनामी मिलती है। तो, हम 16:16 से 22 तक भूत भगाने और अर्थशास्त्र पर नजर डालने जा रहे हैं।

कभी-कभी लोगों के पास आप पर आरोप लगाने के पीछे छुपे उद्देश्य होते हैं, खासकर तब जब इसके लिए उन्हें कुछ कीमत चुकानी पड़ती है। खैर, यहाँ हमारे पास एक गुलाम लड़की है, पेडिस, शायद बहुत छोटी। उस शब्द का प्रयोग ल्यूक अधिनियमों में कुछ अन्य स्थानों पर किया गया है।

इसका उपयोग ल्यूक 22:56 में पीटर के आलोचक के लिए किया गया है, जो कहता है, आप भी गैलीलियन हैं। मैंने तुम्हें यीशु के साथ देखा। इसका उपयोग अध्याय 12 छंद 12 और 13 में जॉन मार्क की मां मैरी के घर में नौकर होडा, उम के लिए भी किया जाता है।

उसके नाम का मतलब गुलाब है। वह बहुत सकारात्मक है, बहुत ही सकारात्मक छवि है, यहाँ एक छवि के साथ तुलना एक तरह से द्विधापूर्ण है। उह, उसके दास धारकों द्वारा उसका शोषण किया जा रहा है।

ये वे लोग हैं जो वास्तव में यहां नकारात्मक व्यक्ति हैं, लेकिन उनके द्वारा भी उसका शोषण किया जा रहा है क्योंकि उसका शोषण एक आत्मा द्वारा किया जा रहा है। उम, जहां तक महिलाओं के बारे में ल्यूक के दृष्टिकोण की बात है, उम, कुछ लोगों ने कहा है, आह, ल्यूक इस महिला आवाज को दबाने की कोशिश कर रहा है। आप जानते हैं, जब, जब पॉल उसे चुप रहने का आदेश देता है, तो यह ल्यूक अध्याय चार में हमारे पास जो है, उसके बिल्कुल समानांतर है, जहां आपके पास एक राक्षसी पुरुष चिल्ला रहा है और यीशु उसे आराधनालय में चुप करा देता है।

यह बिल्कुल उसके समानांतर है. तो, ऐसा नहीं है कि वह महिलाओं को चुप करा रहे हैं। आपको कब्र पर उद्घोषक महिलाएँ याद हैं, उह, लिडिया और उसका परिवार यहाँ बहुत अनुकूल दिखाई देते हैं और रोडा भी।

मेरा मतलब है, रोडा के बारे में उस कथा में हास्य है, लेकिन हास्य, कुछ लोगों ने कहा है कि यह रोडा का खर्च है। यह। वह अकेली है जो उस कथा में सच्चाई जानती है।

यह पीटर के खर्च पर है और विशेष रूप से घर के अन्य लोगों के खर्च पर है। रोडा की तुलना ल्यूक 24 में कब्र पर मौजूद महिलाओं से की जा सकती है जो सच बताती हैं और शुरू में उन पर विश्वास नहीं किया जाता। खैर, पॉल शुरू में कुछ नहीं करता क्योंकि शायद वह उस समस्या को खड़ा नहीं करना चाहता जो वास्तव में आत्मा को बाहर निकालने के बाद उत्पन्न होती है।

लेकिन वह कहती फिर रही है, ये लोग सर्वोच्च ईश्वर के सेवक हैं। और आप सोचते हैं, ठीक है, यह हानिकारक नहीं है। यह वास्तव में सही है.

लेकिन, उह, एक गैर-यहूदी संदर्भ में, इसका मतलब यह हो सकता है, आप जानते हैं, कई देवता हैं और ये हैं, आप जानते हैं, यह सापेक्ष करता है कि वे कौन हैं, लेकिन यह भी, आप नहीं चाहते कि कोई राक्षस आपके लिए गवाही दे, जैसे यीशु नहीं चाहते थे कि ल्यूक अध्याय चार में उनकी पहचान के बारे में गवाही देने वाला एक राक्षस उसे बाहर निकाल दे। तो अंततः, पॉल ने इसे बाहर कर दिया। वह उसे आध्यात्मिक रूप से मुक्त करता है।

शारीरिक रूप से, वह अभी भी अपने स्वामियों की गुलाम है, लेकिन वह आध्यात्मिक रूप से मुक्त है। और उसके कारण, जैसा कि हम देखने वाले हैं, वह बाद में अपने स्वामियों के लिए आर्थिक रूप से बेकार हो जाती है। तो शायद लिडिया और अन्य लोग पॉल ने जो किया था उसे आगे बढ़ा सकते थे और बाद में उसे शारीरिक रूप से मुक्त कर सकते थे।

वे शायद इस समय उसकी आज्ञादी खरीदने का जोखिम उठा सकते थे। वह आध्यात्मिक रूप से मुक्त हो गई है। उम्मीद है, वह चर्च की सदस्य बन सकती है, लेकिन जहां तक दासधारकों का सामान्य तौर पर सवाल है, दास अपने खाली समय में उन चीजों में भाग ले सकते हैं।

वास्तव में, दूसरी शताब्दी के चर्च में, हम, हम, बिथिनिया के गवर्नर प्लिनी, वास्तव में कहते हैं कि चर्च के जिन दो नेताओं से वह यातना के तहत पूछताछ कर रहा है, वे गुलाम हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उनके पास गुलाम हैं आप चर्च के डीकन रहे हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि आप भाषा का अनुवाद कैसे करते हैं। लेकिन, लेकिन, उम्म, दास सक्षम थे, वास्तव में यही कारण

है कि अक्सर चर्च को आधिकारिक कर्तव्यों के शुरू होने से पहले भी सुबह जल्दी मिलना पड़ता था। लेकिन किसी भी मामले में, पायथोनेस की भावना, वस्तुतः वही है जो इस परिच्छेद में कही गई है।

वह, वह, उह, अनुवाद अक्सर भविष्यवाणी की भावना कहते हैं, और यही इसका अर्थ है, लेकिन भविष्यवाणी की भावना भविष्यवाणी की एक बहुत शक्तिशाली भावना थी। पाइथोनेस, वह शब्द था जिसे अपोलो के डेल्फिक ओरेकल, अपोलो के डेल्फिक ओरेकल की पुजारिन के लिए लागू किया गया था। उसे पाइथोनेस कहा जाता था।

वह उन्मत्त थी, अर्थात् उसने उन्माद में भविष्यवाणी की थी, या कम से कम यह अक्सर कहा जाता है कि वह उन्मादी थी। डेल्फ्री में ओरेकल इतना प्रसिद्ध था, उह, यहाँ तक कि, हेरोडोटस भी कूज़स के बारे में बात करता है, यह कई शताब्दियों पहले, फारस के राजा साइरस के समय में था। कूसस लिडिया का राजा था, और वह जानना चाहता था कि क्या वह इस राष्ट्र या उस राष्ट्र में युद्ध कर सकता है।

और इसलिए, उन्होंने यह पता लगाने के लिए विभिन्न दैवज्ञों से पूछताछ की कि कौन सा दैवज्ञ सबसे सटीक होगा। और डेल्फ्री का दैवज्ञ उसे यह बताने में सक्षम था कि उसने अपने बिस्तर के नीचे क्या छिपाया था। तो, उन्होंने कहा, यह बहुत सटीक है।

इसलिये उस ने उनके पास कहला भेजा, कि ठीक है, मैं फारस के राजा कुसू, फारस और मादियों के विरुद्ध युद्ध करना चाहता हूँ। तो क्या मुझे युद्ध करना चाहिए या नहीं? और जवाब आया, युद्ध करो और तुम एक महान साम्राज्य को नष्ट कर दोगे। खैर, दुर्भाग्य से कूज़स उस प्रतिक्रिया में अस्पष्टता को नहीं पकड़ सका।

उसने साइरस के विरुद्ध युद्ध किया और वह हार गया और उसका राज्य फ़ारसी साम्राज्य का हिस्सा बन गया। और जब उसे काठ पर जलाया जा रहा था, तो उसने कहा, ओह, अब मैं समझ गया। हाँ, मैंने अपने ही एक महान साम्राज्य को नष्ट कर दिया।

और हेरोडोटस के अनुसार, साइरस ने कहा, वह क्या कह रहा है? मैं इसके बारे में सुनना चाहता हूँ। और जब उस ने यह सुना, तो कहा, नहीं, नहीं, कूस को यहां ले आओ, उसे काठ पर मत जलाओ। और इसलिए, उन्होंने कहा, हाँ, यह अच्छा है।

मुझे कहानी सुनना पसंद है, मुझे कहानी सुनना पसंद है। वैसे भी, हो सकता है कि सब सच न हो, लेकिन कहानी ऐसी ही चलती है। किसी भी मामले में, अपोलो की डेल्फिक पुजारिन प्रसिद्ध थी।

आपके पास कुछ अन्य प्रसिद्ध दैवज्ञ थे, डोडोना में ज़ीउस का दैवज्ञ, वहां ओक के साथ। और आपके पास भी था, अपोलो डेलोस में एक भविष्यवक्ता देवता के रूप में प्रसिद्ध था, जो उसके जन्म का अनुमानित स्थान था, इत्यादि। लेकिन, विशेषकर डेल्फ्री, वह सभी में सबसे प्रसिद्ध था।

अब वह कुंवारी थी। उसे जवान होना था। तो फिर, यह शायद इस पेडिस्के की उम्र पर फिट बैठता है।

यह युवा कुंवारियों के प्रति कुछ नकारात्मक बात नहीं कह रहा है। प्रेरितों के काम 21 की कुंवारियों की तुलना करें, फिलिप्पुस की चार कुंवारी बेटियां जो भविष्यवाणी करती हैं। और सामान्य उम्र के कारण, आप जानते हैं, जब वे वर्जिन वाक्यांश का उपयोग करते हैं, तो वे वास्तव में संभवतः अपनी युवा किशोरावस्था में होते हैं।

लेकिन किसी भी मामले में, उन्हें बहुत सकारात्मक रूप से देखा जाता है, लेकिन वह एक अलग तरह की भविष्यसूचक भावना की कैद में है, न कि ईश्वर की भावना की। ऐसा कहा गया था कि वह बैठेगी, पायथोनेस, यहां यह महिला नहीं, बल्कि डेल्फी में पायथोनेस एक तिपाई पर बैठेगी और ये माफिटिक वाष्प थे जो ऊपर आएंगे। पुरातत्व से पता चलता है कि शायद यह सच नहीं है, लेकिन किसी भी मामले में, माना जाता है कि इनसे महिला को प्रेरणा मिली।

और फिर पुजारियों को व्याख्या करनी होगी। उन्हें उसके शब्दों को व्यवस्थित करना होगा, इसे और अधिक वाक्पटु बनाना होगा, इसे और अधिक काव्यात्मक बनाना होगा, और कभी-कभी यदि आवश्यक हो, तो इसे और अधिक अस्पष्ट बनाना होगा, बस मामले में। लेकिन ल्यूकन ने पाइथोनेस के कब्जे को बहुत ग्राफिक शब्दों में दर्शाया है।

हर कोई इससे सहमत नहीं है, लेकिन यह प्राचीन साहित्य में कहीं और दिखाई देता है कि वह उन्मादी हो जाएगी, उसके बाल किनारे पर खड़े हो जाएंगे, और इसी तरह, क्योंकि वह अपोलो की आत्मा के वश में थी। अब, जिस कारण से उसे पाइथोनेस कहा जाता था, उसका नाम पायथियन अपोलो के नाम पर रखा गया था, जो महान ड्रैगन, पायथन का हत्यारा था। और आप शायद इसके बारे में प्रकाशितवाक्य 12 में कुछ प्रकाशितवाक्य टिप्पणियों में पढ़ सकते हैं।

लेकिन वैसे भी, इसका मतलब यह नहीं है कि यह युवती कभी डेल्फी में रही थी। यह सिर्फ इतना कहना है कि अगर उसके बारे में कहा जाए कि उसमें अजगर जैसी आत्मा है, तो यह कोई मामूली दानव नहीं है। मेरा मतलब है, यह एक उच्च शक्ति वाला राक्षस है।

शायद लीजन नहीं, लेकिन यह एक उच्च शक्ति वाला राक्षस है। और पद 17, उसका संदेश, ये परमप्रधान परमेश्वर के सेवक हैं। खैर, वे परमप्रधान परमेश्वर के सेवक थे।

यहूदी ग्रंथों में सर्वशक्तिमान ईश्वर का उल्लेख आम है। यह बाइबिल में है, लेकिन यह बुतपरस्त स्रोतों में भी दिखाई देता है। यह वहां यहूदी देवता को संदर्भित कर सकता है, या यह ज़ीउस को संदर्भित कर सकता है।

इसलिए, गैर-यहूदी संदर्भ में कुछ हद तक अस्पष्टता है। बुतपरस्त जादू में, सर्वोच्च देवता, जिसे अक्सर यहूदी देवता के साथ पहचाना जाता है, को सबसे शक्तिशाली के रूप में देखा जाता था। और इसलिए, जादू में भी, लोग इस सर्वोच्च ईश्वर का आह्वान करना चाहेंगे।

और वह कहती है कि वे तुम्हें मुक्ति का मार्ग बता रहे हैं। खैर, काफी दिलचस्प बात यह है कि भले ही दानव परेशानी खड़ी कर रहा हो, भगवान कभी-कभी दानव की गवाही का उपयोग भलाई के लिए भी कर सकते हैं। हम इसे अधिनियम अध्याय 19 में देखते हैं।

मेरा मतलब है, आप राक्षसों की बातें सुनकर नहीं जाना चाहते और यह मानकर नहीं जाना चाहते कि राक्षस हमेशा सच बोलेंगे। मेरा मतलब है, इसीलिए वे राक्षस हैं। लेकिन वैसे भी।

लेकिन, आप जानते हैं, बेथलहम का सितारा, मेरा मतलब है, यहां जादूगर ज्योतिषी हैं। वे सितारों को देख रहे हैं। यह पवित्रशास्त्र में वर्जित है।

लेकिन कभी-कभी भगवान कुछ का उपयोग करेगा, यहां तक कि कुछ बुतपरस्त भी। और वह इसका उपयोग कैसे करता है? खैर, बाद में, जब जेलर ने पॉल और सिलास से पूछा, मुझे बचने के लिए क्या करना चाहिए? उसे वह भाषा कहाँ से सहेज कर मिली? खैर, शायद उसने यह कहानी सुनी होगी कि यह युवती चारों ओर घूम-घूम कर यह प्रचार कर रही थी कि वे मुक्ति का मार्ग बता रहे हैं। और अब वह भूकंप और उनके वहां रहने के बाद उन पर विश्वास करता है।

16:18. ओझा अक्सर निचली आत्माओं को बाहर निकालने के लिए ऊंची आत्माओं के नाम का इस्तेमाल करने की कोशिश करते थे। हम अध्याय 19, श्लोक 13 में देखते हैं, जहां स्केवा के सात पुत्र यीशु के नाम का आह्वान करने का प्रयास करते हैं, जिसे पॉल उपदेश देता है।

लेकिन उन्हें उस नाम का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, पॉल को उस नाम का उपयोग करने का अधिकार है। और यहां एक्ट्स हमें उस संबंध में उनके कार्यों में से एक का एक नमूना देता है।

पॉल यीशु के नाम का उपयोग करता है। अर्थात्, पॉल यीशु के लिए बोलने वाले यीशु शेलियाक या उसके एजेंट के रूप में कार्य करता है। वह, यीशु की ओर से, यीशु का प्रतिनिधि, आत्मा को बाहर आने का आदेश देता है।

और यह बाहर आता है। अब, कुछ लोग जो अधिक संशयवादी हैं, वे उन लोगों का मज़ाक उड़ाएँगे जो आत्माओं या राक्षसों में बिल्कुल भी विश्वास करते हैं। लेकिन यह दिलचस्प है कि मानवविज्ञानियों ने व्यापक रूप से आत्मा के कब्जे वाले ट्रान्स का दस्तावेजीकरण किया है।

अब, मानवविज्ञानी, कई, शायद अब भी अधिकांश, यह विश्वास नहीं करते कि ये वास्तविक आत्माएँ हैं। कुछ लोग आज कम से कम स्वदेशी समझ का उपयोग करने के लिए अधिक खुले हैं और कह रहे हैं कि हमारा काम स्वदेशी समझ से निपटना है, न कि उसका मूल्यांकन करना। लेकिन मानवविज्ञानियों ने कब्जे वाले ट्रान्स को इस हद तक व्यापक रूप से प्रलेखित किया है कि कब्जे वाले ट्रान्स से इनकार को फ्लैट अर्थर होने के मानवशास्त्रीय समकक्ष माना जाता है।

चौहत्तर प्रतिशत समाजों में आत्मा पर अधिकार की मान्यता है। और यह 1970 के दशक के एक स्रोत से है। यह अब और अधिक हो सकता है क्योंकि उन्होंने अधिक समाजों का अध्ययन किया है।

कुछ क्षेत्रों में यह दूसरों की तुलना में अधिक है। अलग-अलग समाजों में इसकी कुछ अलग-अलग सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ हैं, हालाँकि उनमें से बहुत कुछ बहुत ही संदिग्ध लगता है जैसा

कि हम गॉस्पेल और अधिनियमों में देखते हैं। लेकिन जब ट्रान्स अवस्थाएँ घटित होती हैं तो एक सुसंगत साइकोफिजियोलॉजिकल सबस्ट्रेट होता है।

मानवविज्ञानी आम तौर पर इसे चेतना की एक बदली हुई अवस्था के रूप में परिभाषित करते हैं जिसकी स्वदेशी या स्थानीय रूप से किसी बुरी आत्मा के प्रभाव के संदर्भ में व्याख्या की जाती है। क्षमा करें, कोई दुष्टात्मा नहीं। अक्सर, यह एक अच्छी आत्मा है, कई लोगों ने स्थानीय रूप से इसकी व्याख्या की है, लेकिन यह एक विदेशी आत्मा है।

पजेशन ट्रान्स के दौरान एक परिवर्तित न्यूरोफिजियोलॉजी होती है, जहां लोगों को हाइपरएराउज़ल वगैरह का परीक्षण किया गया है, ईईजी रीडिंग द्वारा परीक्षण किया गया है। अब, मैं नहीं चाहता कि आप यह सोचें कि अतिउत्तेजना के सभी मामले उसी के कारण होते हैं। इसके अन्य कारण भी हैं, ट्रान्स अवस्था के अन्य कारण भी हैं।

लेकिन मैं ADD हूँ। शायद यही एक कारण है कि आप मुझे बहुत जल्दी बात करते हुए सुन लेते हैं। दूसरा कारण यह है कि मैं इसे जल्दी से पूरा करने की कोशिश कर रहा हूँ ताकि मैं जितना संभव हो उतनी सामग्री कवर कर सकूँ।

लेकिन मस्तिष्क की गतिविधि विभिन्न प्रकार की होती है, लेकिन आपके पास एक परिवर्तित न्यूरोफिजियोलॉजी है जो इस कब्जे वाले ट्रान्स को टाइप करती है, भले ही कभी-कभी आप इसे अन्य चीजों के दौरान भी कर सकते हैं जो इसके कारण नहीं हैं। कब्ज़ा व्यवहार. रेमंड फर्थ, एक मानवविज्ञानी, और मुझे नहीं पता कि यहां मेरी स्क्रीन का क्या हुआ, लेकिन रेमंड फर्थ का कहना है कि कभी-कभी मानवविज्ञानी के लिए खुद को समझाना कठिन हो जाता है - आज हम खुद कहेंगे - कि यह वास्तव में वही व्यक्ति है जैसे कि वह किसके सामने देख रहा है या सामना कर रहा है।

तो, इसे उनके व्यवहार में व्यक्तित्व परिवर्तन, उनकी आवाज़ की पिच में परिवर्तन इत्यादि के रूप में चिह्नित करें। योराम मुगारी ईसाई बनने से पहले पारंपरिक धर्म में एक पारंपरिक अफ्रीकी ओझा थे। तो, उसके पास मुझे उन चीजों के बारे में बताने के लिए कुछ कहानियाँ थीं जो उसने देखीं जो मानवीय रूप से असंभव होनी चाहिए थीं, जहाँ वास्तव में आविष्ट व्यक्ति अपनी पीठ के बल लगभग साँप की तरह दीवार पर चढ़कर छत पर चले जाते थे, जो कि मानवीय रूप से असंभव होना चाहिए था हम मानव शरीर के बारे में जानते हैं।

और फिर उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया और अब उन्होंने गॉर्डन-कॉनवेल में अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर ली है और अब वह यूके में पीएचडी कर रहे हैं। या मुझे लगता है कि शायद उसने अब तक इसे पूरा कर लिया है। कुछ मामलों में, और मैंने इसका उल्लेख कुछ मामलों के कारण किया है, जैसे अधिनियम 19 में सेसेवा के सात पुत्रों के मामले में सेना और राक्षसी, यह सभी मामले नहीं हैं, लेकिन कुछ मामलों में, कब्ज़ा ट्रान्स हिंसक व्यवहार में व्यक्त किया गया है, जैसे जैसे किसी का सिर पीटना, आग में कूदना - आपके पास भी मार्क 9 में ऐसा है - इंडोनेशिया जैसी जगहों पर खुद को काटना, जहां से मेरे पास यह बहुत अच्छी शर्ट है, फायरवॉकिंग या दर्द के प्रति प्रतिरक्षा।

कभी-कभी इसे दूसरों के प्रति हिंसा में भी व्यक्त किया जा सकता है। अब उनमें से कुछ चीजें अन्य प्रकार की परिस्थितियों में भी हो सकती हैं। अब जाहिर तौर पर लोग राक्षस के बिना भी हिंसक हो सकते हैं और अन्य चीजों के कारण भी लोगों की चेतना की स्थिति बदल सकती है।

मेरा मतलब है कि जब हम सो रहे होते हैं तो हमारी चेतना की स्थिति भी बदल जाती है। लेकिन कुछ ऐसा जो स्पष्ट रूप से एक दानव का संकेत देता है, हालांकि यह हमेशा तब नहीं होता जब कोई दानव मौजूद होता है और शायद आमतौर पर ऐसा नहीं होता है, कुछ गुप्त घटनाएं होती हैं जैसे कि व्यक्ति एक दीवार को पार करने में सक्षम होता है, जो शारीरिक रूप से असंभव है, निश्चित रूप से गुप्त घटनाएँ, दानववाद के कई कथित मामले केवल व्यक्तित्व विकार या सिर्फ शारीरिक बीमारियाँ हो सकते हैं, लेकिन कुछ अधिक चरम होते हैं जब आपके पास वस्तुएं बिना छुए घूम रही होती हैं या कमरे में उड़ रही होती हैं या इसी तरह।

और मेरे ऐसे दोस्त हैं जिन्होंने इनमें से कुछ चीजें देखी हैं और मैंने कुछ ऐसी चीजें देखी हैं जिनके बारे में मैं वास्तव में बात नहीं करना चाहता क्योंकि वे वास्तव में अप्रिय हैं। लेकिन किसी भी मामले में, भूत-प्रेत भगाने की विद्या मानवशास्त्रीय साहित्य में भी दिखाई देती है। कुछ संस्कृतियों में इसे कब्जे की बीमारी का एकमात्र इलाज माना जाता है और मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक जो आत्माओं में विश्वास नहीं करते हैं - मेरा मतलब है कि कुछ लोग ऐसा करते हैं, लेकिन शायद अधिकांश लोग ऐसा नहीं करते हैं - जो आत्माओं में विश्वास नहीं करते हैं वे इस बात पर बहस करते हैं कि स्थानीय मान्यताओं को समायोजित किया जाए या नहीं।

ईसाइयों के बीच, हम अक्सर भूत-प्रेत भगाने की विद्या देखते हैं। उदाहरण के लिए, इथियोपिया में लगभग 74% ईसाई भूत-प्रेत भगाने की क्रियाएँ देखने का दावा करते हैं। मेरे छात्र, कैमरून के बैपटिस्ट, पॉल मोकाके ने मुझे एक महिला का वर्णन किया जो समुद्री आत्माओं को बाहर निकाले जाने पर नागिन की तरह छटपटा रही थी।

अब, मैं ऐसा नहीं करता, और ऐसे अन्य लोग भी हैं जो मुझे इस प्रकार की चीजों का वर्णन करते हैं। स्थानीय रूप से उन्हें समुद्री आत्माएं, जल आत्माएं या नदी आत्माएं माना जाता है। वह सिर्फ स्थानीय परंपरा, स्थानीय व्याख्या हो सकती है।

बाइबल यह नहीं कहती कि, आप जानते हैं, आपके पास समुद्री आत्माएँ या कुछ और हैं, लेकिन हाँ, ऐसा प्रतीत होता है कि वे किसी प्रकार की आत्माएँ हैं। नेपाली पादरी मित्रा केसी तीन बहनों के मामले का जिक्र करते हैं जो तीन साल से मूक थीं। अब, मैं यह कहने में कोई बुद्धिमानी नहीं कर रहा हूँ कि मूकता आमतौर पर आत्माओं या राक्षसों के कारण होती है।

आपको विभिन्न कारणों से शारीरिक बीमारियाँ हो सकती हैं। आपको विभिन्न कारणों से भावनात्मक तनाव और मानसिक तनाव भी हो सकता है। लेकिन हम अन्य व्यक्तित्वों के हमारे अंदर रहने के लिए नहीं बने हैं।

इसलिए, जब आपके पास आत्मा होती है, तो कभी-कभी यह शरीर के एक निश्चित हिस्से को पीड़ित करेगी या तंत्रिका तंत्र को पीड़ित करेगी, मन को पीड़ित करेगी। इसका मतलब यह नहीं है कि ये एकमात्र चीजें हैं जो शरीर या मन को पीड़ित कर सकती हैं, लेकिन आत्माएं कभी-कभी

ऐसा कर सकती हैं, और यही मामला था। ये तीनों बहनें एक ही समय पर तीन साल तक चुप क्यों रहीं? उसने एक राक्षस को बाहर निकाला, पादरी मित्रा केसी ने एक राक्षस को बाहर निकाला, और फिर उस दौरान वे ठीक हो गए।

रॉबिन स्नेल्वार, पोर्ट एलिजाबेथ में नेल्सन मंडेला मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय में औद्योगिक मनोविज्ञान विभाग के प्रमुख हैं। खैर, अपने जीवन की शुरुआत में, वह एक विदेशी व्यक्तित्व द्वारा उसे नियंत्रित करने के अपने पूर्व अनुभव को याद करता है। कुछ भी उसकी मदद नहीं की।

दवा से कोई फायदा नहीं हुआ। अन्य प्रकार की प्रथाओं से तब तक कोई मदद नहीं मिली जब तक कि वह एक ईसाई के माध्यम से अनायास ही अभ्यास न कर ले। क्यूबा में यूस्पेरिना अकोस्टा एस्टेवेज़।

जब मैं क्यूबा में था तो मैंने उनका साक्षात्कार लिया। उन्होंने कहा कि 1988 तक वह आत्माओं का आह्वान करती रही थीं। मुझे नहीं पता कि वह सैंटेरिया में शामिल थी या क्या, लेकिन वह आत्माओं का आह्वान कर रही थी।

वह चलने में बहुत बीमार थी। 1988 में एक दिन पादरी ने उसके लिए प्रार्थना की। वह पीछे रह गई।

उसके आस-पास की कुर्सियाँ पीछे फेंक दी गईं, और हृदय और गुर्दे की गंभीर खराबी, जो इतनी गंभीर थी कि वह चल भी नहीं पाती थी, अचानक ठीक हो गई, और वह आज भी ठीक है। इसलिए, जब लोग आत्माओं की वास्तविकता के बारे में प्रश्न पूछते हैं, तो कुछ मानवविज्ञानियों ने इसका पता लगाया है। मेरा मतलब है, ज़्यादातर उनकी दिलचस्पी इस बात में होती है कि स्थानीय संस्कृति क्या कहती है, लेकिन कुछ दिलचस्प अध्ययन भी हुए हैं।

एडिथ टर्नर, जो विक्टर टर्नर नाम के एक प्रसिद्ध मानवविज्ञानी की विधवा हैं, वर्जीनिया विश्वविद्यालय में मानवविज्ञान में व्याख्याता हैं। वह एंथ्रोपोलॉजी एंड ह्यूमेनिज्म पत्रिका की संपादक हैं। जाम्बिया के पारंपरिक अफ्रीकी आत्मा अनुष्ठान के दौरान, ईसाई नहीं, वे नहीं चाहते थे कि ईसाई उपस्थित हों, लेकिन जाम्बिया में पारंपरिक अफ्रीकी आत्मा अनुष्ठान के दौरान, उन्होंने आत्मा पदार्थ को बाहर निकलते देखा।

उसने वास्तव में इस बूँद को उस व्यक्ति की पीठ से अपनी आँखों से निकलते देखा था। अब, वह इसे पारंपरिक ईसाई दृष्टिकोण से नहीं देख रही है। वह वास्तव में अपने छात्रों को आत्माओं का अनुभव करना सिखाती है, जिससे ईसाई होने के नाते हममें से अधिकांश को उतनी ही समस्या होगी जितनी कि कुछ अन्य मानवविज्ञानियों को, जो ईसाई नहीं हैं, समस्या होगी।

लेकिन किसी भी मामले में, वह आत्माओं की वास्तविकता में विश्वास करती है, और उसने इसके लिए स्पष्ट रूप से तर्क दिया है और अलास्का आदि में इनुइट आबादी के बीच भी इसका निपटारा किया है। मानवविज्ञानी सोलोन किमबॉल, आयरलैंड में फील्डवर्क के दौरान, एक प्रेत उनकी ओर बढ़ने लगा। उसने खुद को बचाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया।

उसका हाथ उसमें से गुजर गया. उन्होंने कहा, आह, यह एक मतिभ्रम होना चाहिए। लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि कई अन्य लोगों ने स्वतंत्र रूप से कई बार क्षेत्र में वही आकृति देखी थी।

उनका स्पष्टीकरण था, ठीक है, शायद संस्कृति हमारे मतिभ्रम को भी प्रभावित करती है। लेकिन फिर भी, यह स्वतंत्र था, इसलिए यह वास्तव में उससे भी अधिक गंभीर बात हो सकती है। विश्व स्तर पर, दुनिया भर के अधिकांश ईसाई आत्माओं की वास्तविकता को स्वीकार करते हैं।

उन्होंने बड़ी संख्या में पश्चिमी लोगों को आश्चर्य किया है, जिनमें से कुछ अपने अनुभवों के कारण इसके प्रति उदासीन थे। वास्तव में, पेरू के आसपास के क्षेत्र में एक बाइबिल अनुवादक था, मुझे खेद है, जिस व्यक्ति ने इसे मेरे साथ साझा किया वह पेरू से था, लेकिन दक्षिणी अमेरिका में, पारंपरिक लोगों के बीच, वह उनके लिए बाइबिल का अनुवाद कर रहा था, और उन्होंने विश्वास किया कि उनके चारों तरफ आत्माएं थीं। और उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, ये चीजें वास्तविक नहीं हैं।

और उन्होंने कहा, ठीक है, इसका अनुवाद किया गया है, और आपने इसे मार्क के सुसमाचार में हमारे लिए अनुवादित किया है। यह उनके बारे में बात करता है. और वह कहता है, नहीं, नहीं, वे वास्तव में वास्तविक नहीं हैं।

और उन्होंने उत्तर दिया, वे हमारे चारों ओर हैं। हम उन्हें देख सकते हैं. आप अकेले हैं जो उन्हें नहीं देख सकते।

लेकिन संपूर्ण आत्माओं में अंधविश्वास के प्रति हमारी उचित प्रबुद्धता प्रतिक्रिया, और यह एक बहुत प्रसिद्ध मिशनरी मानवविज्ञानी द्वारा बताया गया था, जिन्होंने कहा था, आप जानते हैं, मेरे धार्मिक प्रशिक्षण ने मुझे भगवान के बारे में कुछ समझने में मदद की। मेरे मानवशास्त्रीय प्रशिक्षण ने मुझे संस्कृति और मनुष्यों के बारे में समझने में मदद की। लेकिन यह तब था जब मैं भारत में था, यह पॉल हेबर्ट हैं, जब मैं भारत में था, उन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि यह मध्यवर्ती क्षेत्र भी है, कि हमारी पश्चिमी संस्कृति बच्चे को नहाने के पानी के साथ बाहर फेंक रही है, और भी बहुत कुछ आलोचनात्मक दृष्टिकोण प्रत्येक मामले के साक्ष्य को देखना है।

मनोचिकित्सक स्कॉट पेक, ऐसी बहुत सी चीजें थीं जिन्हें वह मनोचिकित्सकीय रूप से समझ सकता था और कहा कि, आप जानते हैं, ज्यादातर चीजें जिन्हें लोग राक्षस समझते हैं वे सिर्फ मनोवैज्ञानिक समस्याएं हैं। लेकिन उन्हें दो ऐसे मामलों का सामना करना पड़ा जिनकी व्याख्या राक्षसों के अलावा किसी अन्य तरीके से नहीं की जा सकती थी। ड्यूक यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में मनोचिकित्सा के एमेरिटस प्रोफेसर विलियम विल्सन और कई अन्य लोगों ने भी इसी तरह की बातें कही हैं।

डेविड वान गेल्लर, परामर्श के प्रोफेसर, और यह एक परामर्श पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, एक 16 वर्षीय बच्चा था जो एक जानवर की तरह व्यवहार कर रहा था, और दीवार पर लटका हुआ क्रूस गिर गया, लेकिन वह यूं ही नहीं गिरा, नाखून वास्तव में पिघल गए। यह कुछ ऐसा है जो मनोवैज्ञानिक विकार नहीं है। और इसलिए, वह और कुछ अन्य ईसाई, उन्हें ईसाई परामर्शदाता,

ईसाई मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सक के रूप में बुलाया गया था, वे एक साथ आए और वे किसी भी पारंपरिक मनोरोग या मनोवैज्ञानिक तरीके से उनसे नहीं निपट सकते थे।

अंत में, उन्होंने कहा, ठीक है, ठीक है, यह कहने का प्रयास करें कि यीशु ही प्रभु हैं। और दूसरी आवाज में उसके मुंह से निकला, अरे मूर्खों, वह ऐसा नहीं कह सकता। अंततः, उन्होंने इसे यीशु के नाम पर निकाल दिया।

लेकिन पेशेवरों के रूप में, उन्होंने पहचाना कि यह मिर्गी नहीं थी, यह मनोविकृति नहीं थी, यह एक वास्तविक भावना थी। डेविड इंस्टोन ब्रूअर, जो रब्बीनिक्स के बहुत प्रसिद्ध विद्वान हैं, एक ईसाई विद्वान हैं जो कैम्ब्रिज में टाइन्डल हाउस में पढ़ाते हैं। पहले वह मनोचिकित्सक बनने के लिए अध्ययन कर रहा था, इससे पहले कि वह अब वह करता है।

और उन्होंने कहा कि एक बार वह एक अस्पताल में चक्कर लगा रहे थे और चुपचाप, निजी तौर पर अपने दिल में, वह उस आदमी के लिए प्रार्थना कर रहे थे कि वह अस्पताल में उनके पास बैठ गया जो सोता हुआ लग रहा था। वह बस प्रार्थना कर रहा था कि भगवान उसकी मदद करेगा जब वह आदमी अचानक उसके चेहरे पर सीधा खड़ा हो गया और चिल्लाया, वह मेरा है, उसे अकेला रहने दो। उन्होंने कहा कि वह बहुत दिलचस्प अनुभव था।

खैर, कहने का तात्पर्य यह है कि नए नियम में हमने जो पढ़ा है वह बहुत विश्वसनीय है। और यदि आप आत्माओं में विश्वास नहीं करते हैं, तो उम्मीद है, आप कम से कम यह देखेंगे कि हममें से जो लोग आत्माओं में विश्वास करते हैं उनके पास ऐसा करने का कुछ कारण है, और यह वास्तव में दुनिया के कई हिस्सों में काफी व्यापक विश्वास है। लेकिन संभवतः आपमें से अधिकांश लोग जो इसे देख रहे हैं, वे पहले से ही इस पर विश्वास करते हैं।

लेकिन फिर भी, आपको यह देखने में मदद करने के लिए यहां कुछ अतिरिक्त जानकारी दी गई है कि अधिनियम अध्याय 16 में हमने जो पढ़ा है वह बहुत प्रशंसनीय है। अब, इसका परिणाम उत्पीड़न है जो न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि इसका उल्लेख पॉल और 1 थिस्सलुनिकियों द्वारा भी किया गया है कि उसने फिलिप्पी में क्या सहन किया था। और यह हम अगले सत्र में देखेंगे।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने निर्देश में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 16, अधिनियम अध्याय 15 और 16 है।